आयोजन समिति

संरक्षक

प्रो. वी.के. सारस्वत
कुलपति
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सह संरक्षक

भुवन सिंह राज
कुलसचिव
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

संयोजक

प्रो. हीरालाल शर्मा
मो. 7000499014
निदेशक - मानविकीय

सह-संयोजक

डॉ. बीना सिंह
मो. 8839017319
विभागाध्यक्ष - शिक्षा

डॉ. मोरध्वज त्रिपाठी
मो. 8770588723
विभागाध्यक्ष - वाणिज्य

संयोजन सचिव

डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति
मो. 9229703055
सहायक प्राध्यापक - हिंदी

संयोजन सह सचिव

डॉ. अनिता सिंह
मो. 9827118808
सहायक प्राध्यापक - शिक्षा विभाग

डॉ. प्रकृति जेम्स
मो. 9993450848
सहायक प्राध्यापक - शिक्षा

सदस्य

डॉ. धनंजय मिश्र - 9039309133
डॉ. प्रीति रानी मिश्रा - 7587365320
डॉ. रेशम लाल प्रधान - 7024383191
डॉ. एस. रुपेंद्र राव - 8817956122
डॉ. पुष्कर दुबे - 9938973044
डॉ. वर्षा शशि नाथ - 7000475114
श्री प्रवीण टोप्पो - 7974437364
डॉ. दीपक पाण्डेय - 9806171767
डॉ. ओमप्रकाश पटेल - 9827993693

संभावित सम्माननीय विशिष्ट वक्ता

श्री शशांक शर्मा
रायपुर

डॉ. वर्णिका शर्मा
रायपुर

डॉ. संजय अलंग
रायपुर

प्रो. बंश गोपाल सिंह
पूर्व कुलपति

आचार्य रमेन्द्रनाथ मिश्र
रायपुर

आचार्य विनोद कुमार
(आगरा)

प्रो. पवन शर्मा
दिल्ली

श्री राहुल कुमार सिंह
रायपुर

प्रो. राजन यादव
खैरागढ़

प्रो. सुधीर शर्मा
भिलाई

विशेष आकर्षण – पारम्परिक गेड़ी गीत-नृत्य एवं बाँस-गीत
प्रस्तुति – श्री अनिल गढ़ेवाल के नेतृत्व में

www.pssou.ac.in

छत्तीसगढ़ राज्य के 25 वर्ष

रजत जयंती समारोह

(संदर्भ : छत्तीसगढ़ @50 विकसित छत्तीसगढ़ @2047)
पर
तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

छत्तीसगढ़ : कल आज और कल

(दिनांक : 16,17,18 सितम्बर 2025)

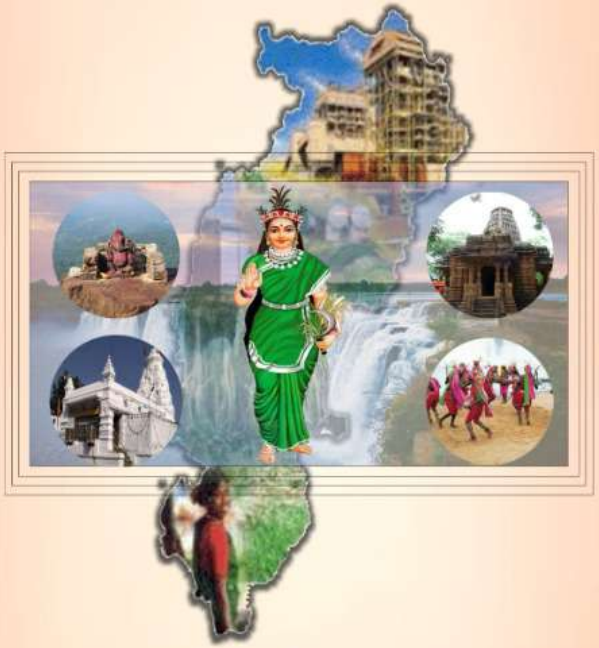

आयोजक

हिंदी, शिक्षा एवं वाणिज्य विभाग
पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय
छत्तीसगढ़, बिलासपुर

नैक द्वारा ग्रेड "A+" प्रदत्त, एवं
विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा श्रेणी-2 स्वायत्तता प्रदत्त विश्वविद्यालय

विश्वविद्यालय के संदर्भ में

मानव जीवन के सर्वांगीण विकास में शिक्षा की भूमिका अपरिहार्य है। मनुष्य के जीवन में आने वाली बाधाएँ, उसकी शैक्षिक पिपासा को सीमित न कर सके एवं मनुष्य की शैक्षिक उन्नति बनी रहे इस उद्देश्य को पूरा करने हेतु मुक्त विश्वविद्यालय में प्रचलित शिक्षा-पद्धति की महती भूमिका है। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में स्थित पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, भारत का 11वाँ मुक्त विश्वविद्यालय है, इसकी स्थापना छत्तीसगढ़ शासन के अधिनियम क्रमांक 26 सन् 2004 द्वारा की गयी है। यह अधिनियम 20 जनवरी 2005 में लागू हुआ। विश्वविद्यालय का नाम महान स्वतंत्रता सेनानी, साहित्यकार, समाज सुधारक एवं छत्तीसगढ़ का गाँधी के रूप में विख्यात पण्डित सुन्दरलाल शर्मा जी की स्मृति को आलोकित कर रहा है।

विश्वविद्यालय 'स्वाध्यायः परम् तपः' के ध्येय वाक्य के साथ 'उच्च शिक्षा आपके द्वार' के मूल वाक्य को चरितार्थ करते हुए छात्र हित एवं विकास की ओर निरन्तर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय के अंतर्गत 06 क्षेत्रीय केन्द्र तथा एक उप क्षेत्रीय केन्द्र एवं 139 अध्ययन केन्द्र संचालित हैं। विश्वविद्यालय को NAAC द्वारा **A+** ग्रेड प्राप्त है। विश्वविद्यालय मुख्यालय परिसर बिलासपुर लगभग 71 एकड़ में फैला हुआ है।

बिलासपुर शहर एक परिचय

बिलासपुर छ.ग. राज्य के 33 जिलों में से एक है। बिलासपुर, राज्य की राजधानी रायपुर से लगभग 111 कि.मी. उत्तर में स्थित है। यह राज्य की न्यायधानी एवं प्रशासनिक दृष्टि से राज्य का दूसरा प्रमुख शहर है। बिलासपुर कृषि के क्षेत्र में चावल के विशेष किस्म (दुबराज, विष्णुभोग) आदि के लिए प्रसिद्ध है। यहाँ के हाथकरघा उद्योग से बनी कोसे की साड़ियाँ प्रसिद्ध है। बिलासपुर सांस्कृतिक रुप से भी प्रसिद्ध है। यहाँ के स्थानीय पर्व में सुआनृत्य, भोजली, राउत नाचा, पोला इत्यादि प्रमुख रुप से मनाए जाते हैं। अर्थव्यवथा की दृष्टि से ऊर्जा के क्षेत्र में बिलासपुर संभाग का देश में महत्वपूर्ण स्थान है, इसके आसपास के क्षेत्रों में कई विद्युतगृहों में लगभग 10,000 से 15,000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होता है। पर्यटन की दृष्टिकोण से यहाँ शहर में अनेक स्थल हैं, जिसमें विवेकानंद उद्यान, ऊर्जा पार्क, स्मृति वन, यातायात पार्क, बिलासा ताल आदि शहर के निकटतम दर्शनीय स्थल मल्हार, अमरकंटक, कानन पेण्डारी (मिनी जू), रतनपुर महामाया मंदिर, तालागाँव, मदकू द्वीप एवं चैतुरगढ़ प्रसिद्ध है।

2.1 शिक्षा के क्षेत्र में :- शिक्षा की दृष्टि से बिलासपुर में राज्य के पाँच प्रमुख विश्वविद्यालय हैं इसके अतिरिक्त इंजी., चिकित्सा एवं कृषि महाविद्यालय स्थित है।

2.2 आवागमन सुविधा :- छ.ग. राज्य के सभी शहरों को जोड़ने के लिए यहाँ से बस सेवाएँ हैं व बिलासपुर रेल्वे स्टेशन छ.ग. के व्यस्ततम रेल मार्ग में से एक है। दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे जोन का मुख्यालय बिलासपुर में स्थित है। हवाई सेवाओं के लिए हवाई अड्डा चकरभाठा, बिलासपुर एवं हवाई अड्डा रायपुर है।

संगोष्ठी के विषय में

संगोष्ठी का प्रतिपाद्य

छत्तीसगढ़ : कल आज और कल

छत्तीसगढ़ भारत के मध्य भाग में स्थित एक समृद्ध सांस्कृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर वाला राज्य है। यह 1 नवम्बर, 2000 को मध्यप्रदेश से पृथक होकर भारत का 26वाँ राज्य बना। ऐतिहासिक दृष्टि से यह क्षेत्र प्राचीन दक्षिण कोसल का हिस्सा माना जाता है। जिसकी संस्कृति, लोककला एवं परम्पराएँ अत्यंत समृद्ध और विविधतापूर्ण रही है।

छत्तीसगढ़ का नाम छत्तीसगढ़ यहाँ की ऐतिहासिक 36 गढ़ियों का किलों से पड़ा माना जाता है जो इस भूभाग की प्राचीन प्रशासनिक एवं सुरक्षा संरचना को दर्शाता है। यहाँ के जनजीवन में आदिवासी संस्कृति की प्रमुखता है। जो अपनी अनूठी लोक कलाओं, नृत्य, गीत और उत्सवों के माध्यम से आज भी जीवित है। राज्य के प्रमुख आदिवासी समुदायों में गोंड, मोरिया, बस्तरिया, हल्बा, कोरकू, उरांव आदि शामिल हैं।

आज छत्तीसगढ़ विभिन्न संसाधनों से सम्पन्न राज्य के रुप में जाना जाता है। कोयला, लोहा, बाक्साइड, चूना पत्थर आदि के खनन में यह अग्रणी राज्यों में गिना जाता है। औद्योगिक दृष्टि से भी छत्तीसगढ़ में विगत 25 वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। कोरबा को भारत का ऊर्जा की राजधानी कहा जाता है, और भिलाई इस्पात संयंत्र देश की औद्योगिक शक्ति का प्रतीक है। इसके साथ ही कृषि यहाँ की प्रमुख आजिविका है- धान की खेती के कारण इसे 'धान का कटोरा' कहा जाता है।

समकालीन छत्तीसगढ़ में शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, महिला सशक्तीकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में भी निरंतर प्रगति की है। नई औद्योगिक नीतियों, पर्यटन विकास, वन संरक्षण तथा आदिवासी अधिकारों के संरक्षण के माध्यम से राज्य सरकार ने विकास और परम्परा में संतुलन बनाये रखने का प्रयास किया है।

आगामी वर्षों में छत्तीसगढ़ के समक्ष अपार संभावनाएँ है - हरित ऊर्जा, इको-टूरिज्म, जैविक कृषि और तकनीकी नवाचार जैसे योग विकास के नए द्वार खोल रहे हैं - युवाओं की ऊर्जा और महिलाओं की सहभागिता से यह राज्य आने वाले वर्षों में अपनी सांस्कृतिक जड़ों को सहेजते हुए आधुनिकता के पथ पर तेजी से आगे बढ़ेगा।

इसी दृष्टि से छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की यात्रा - कल आज और कल - केवल एक राज्य का विकास गाथा नहीं बल्कि इसकी मिट्टी से जुड़ी चेतना, संघर्ष और आत्म-निर्भरता की कहानी भी है, जिसे इस संगोष्ठी के माध्यम से स्मरण और नवचिन्तन का अवसर मिलेगा।

उप विषय

- छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं सांस्कृतिक विरासत।
- छत्तीसगढ़ राज्य गठन।
- छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा और औद्योगिक विकास।
- धान का कटोरा - कृषि एवं ग्रामीण अर्थ व्यवस्था।
- आदिवासी समाज संरक्षण अधिकार और विकास।
- पर्यटन विकास और प्राकृतिक धरोहर।
- शिक्षा और युवा सशक्तीकरण।
- महिला सशक्तीकरण एवं सामाजिक सुधार।
- भविष्य की दिशा : सतत् विकास एवं हरित ऊर्जा।
- छत्तीसगढ़ आने वाली पीढ़ियों के लिए चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ।
- संबंधित अन्य विषय।

पंजीयन-प्रपत्र

नाम : .....

पद : .....

संस्थागत पता : .....

.....

मोबाईल नं. : ..... ईमेल : .....

शोध का विषय / शार्षक : .....

पंजीयन राशि : .....

दिनांक : ..... हस्ताक्षर : .....

नोट : प्रतिभागियों से निवेदन है कि वे अपना शोध-आलेख (Abstract) 2000 से 3000 शब्दों एवं सारांश 500 शब्दों में दिनांक 10 सितम्बर, 2025 तक pssouseminar@gmail.com पर भेजें। हिंदी में कृतिदेव 011 एवं अँग्रेजी में Time New Roman वांछनीय है।

बैंक ऑफ बडौदा खाता क्रमांक - **58100100000222**
IFSC कोड - **BARB0BIRKON (FIFTH CHARACTER IS ZERO)**

पंजीयन की अंतिम तिथि - 10 सितम्बर, 2025

पंजीयन शुल्क : शिक्षक / अधिकारी राशि रु. 1000 / -
शोधार्थी / विद्यार्थी राशि रु. 500 / -

पंजीयन लिंक https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLScV3BqASMODv1HD34SksBK7UqvGKNA6f-wdjCSAvVuRf_E_Tw/viewform?usp=sharing&ouid=100418899578695497102

पंजीकरण/आवास समिति सम्पर्क सूत्र

डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति- 9229703055
डॉ. प्रीति रानी मिश्रा - 7587365320
श्री प्रवीण कुमार टोप्पो - 7974437364
श्री विश्वास जलताड़े - 9827994326
डॉ. ओमप्रकाश पटेल - 9827993693

इच्छुक प्रतिभागी आवास की व्यवस्था के लिए कृपया एक सप्ताह पूर्व सूचित करें।